ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

यादगार क्यों बने? क्योंकि इस समय याद में रहकर कर्म करते हो। हर कर्म का यादगार बन गया। आप अमृतवेले विधिपूर्वक उठते हो। तो देखो, आपके यादगार चित्रों में भी विधिपूर्वक उठाते हैं, कितना प्यार से उठाते हैं। हैं जड़ चित्र लेकिन कितने दिल से, स्नेह से उठाते हैं! उठाते भी हैं तो खिलाते, सुलाते भी हैं क्योंकि आप इस समय सब याद के विधिपूर्वक करते हो। खाना भी विधिपूर्वक खाते हो। भोग लगाकर खाते हो ना या जैसे हैं वैसे ही खा लेते हो?

AMRITVELA

Why have the memorials been created? It is because you perform actions at this time while staying in remembrance. Every action has become a memorial. You wake up at Amrit vela as a discipline. So, the images of your memorial are also awoken as the right discipline. People awaken them with so much love. They are nonliving images, but yet people awaken them with so much love in their heart. They awaken them, feed them and also put them to sleep because you do all of this with remembrance as a discipline at this time. You eat with the discipline of the right method too. You eat after offering bhog, do you not? Or, do you eat it just like that?

AVYAKT VANI - 09.12.1989

Fragrant Flower For Today

आप श्रेष्ठ कर्म की कलम से श्रेष्ठ भाग्य की रेखा खींचते हो।

आप भाग्यवान हो। 😊

You draw the line of your elevated fortune with the pen of your elevated actions.

You are fortunate! 😊

लोभी व्यक्ति और संतुष्ट व्यक्ति

एक लोभी व्यक्ति सब कुछ होते हुए भी अपने आपको
खाली और निर्धन समझता है,
वहीं एक संतुष्ट व्यक्ति कुछ ना होते हुए भी अपने आपको
भरपूर और धनवान समझता है।
फिर एक समय ऐसा आता है कि वह लोभी व्यक्ति
वाकई निर्धन हो जाता है, और वह संतुष्ट व्यक्ति धनवान।

इसलिए सदैव संतुष्ट रहें और
जीवन के हर पल को मज़े से जिए।

Om Shanti

ज्ञान बल, योग बल, और पवित्रता का बल संसार का सर्व श्रेष्ठ बल है।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

"जितना सेवा की हलचल उतना ही बिल्कुल जेस अण्डरग्राउण्ड चले जाओ।"

जितना सेवा की हलचल उतना ही बिल्कुल जेस अण्डरग्राउण्ड चले जाओ। कोई भी नई इन्वेंशन और शक्तिशाली इन्वेंशन होती है तो उतना अन्डरग्राउण्ड करते हैं तो एकान्तवासी बनना ही अन्डरग्राउण्ड है। जो भी समय मिले, इकठ्ठा एक घण्टा वा आधा घण्टा समय नहीं मिलेगा। यह भी अभ्यास हो जायेगा। अभी-अभी बात की, अभी-अभी 5मिनट भी मिले तो सागर के तले में चले जायेंगे। जो आने वाला भी समझेगा कि यह कहाँ और स्थान पर है। यहाँ नहीं है। उनके भी संकल्प ब्रेक में आ जायेंगे। वाणी में आना चहेंगे तो आ न सकेंगे। साइलेन्स द्वारा ऐसा स्पष्ट उत्तर मिलेगा जो वाणी द्वारा भी कम स्पष्ट होता। जैसे साकार में देखा बीच-बीच में कारोबार में रहते भी गुम अवस्था की अनुभूति होती थी ना। सुनते-सुनाते डायरेक्शन देते अन्डरग्राउण्ड हो जाते थे। तो अभी इस अभ्यास की लहर चाहिए। चलते-चलते देखें कि यह जैसे कि गायब है। इस दुनिया में है नहीं। यह फरिश्ता इस देह की दुनिया और देह के भान से परे हो गये। इसको ही सब साक्षात्कार कहेंगे। Avyakt Murli - 20-01-81

You are a big-hearted soul whose heart pumps unconditional love into the surroundings every moment, without any expectations of return.

BRAHMA KUMARIS
SpARC Wing

- B K S H I V A N I

जब हम लोगों की कमज़ोरी
का चिंतन करते हैं,
उनकी कमज़ोरी हमारे चित्त
पर बैठ जाती है।
अब वह कमज़ोरी सिर्फ उनकी नहीं,
हमारी सोच का हिस्सा बन गयी।

अगले 24 घण्टे, जिन्हें मिलें
उनकी सिर्फ विशेषता देखें।

facebook.com/BKShivani
youtube.com/BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org